


---

devIkShamApaNastotram

——  
देवीक्षमापणस्तोत्रम्

——  
Document Information



---

Text title : devIkShamApaNastotram

File name : devIkShamApanastotram.itx

Category : devii, durgA, stotra, devI

Location : doc\_devii

Author : Traditional

Transliterated by : WebD

Proofread by : Ravin Bhalekar ravibhalekar at hotmail.com

Latest update : October 15, 2020

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.


---

October 15, 2020

*sanskritdocuments.org*


---



——  
देवीक्षमापणस्तोत्रम्



श्रीगणेशाय नमः ।  
अपराधसहस्राणि क्रियन्तेऽहर्निशं मया ।  
दासोऽयमिति मां मत्त्वा क्षमस्व परमेश्वरि ॥ १ ॥  
आवाहनं न जानामि न जानामि विसर्जनम् ।  
पूजां चैव न जानामि क्षम्यतां परमेश्वरि ॥ २ ॥  
मन्त्रहीनं क्रियाहीनं भक्तिहीनं सुरेश्वरि ।  
यत्पूजितं मया देवि परिपूर्णं तदस्तु मे ॥ ३ ॥  
अपराधशतं कृत्वा जगदम्बेति चोच्चरेत् ।  
यां गतिं समवाप्नोति न तां ब्रह्मादयः सुराः ॥ ४ ॥  
सापराधोऽस्मि शरणं प्राप्तस्त्वां जगदम्बिके ।  
इदानीमनुकम्प्योऽहं यथेच्छसि तथा कुरु ॥ ५ ॥  
अज्ञानाद्विस्मृतेभ्रान्त्या यन्न्यूनमधिकं कृतम् ।  
तत्सर्वं क्षम्यतां देवि प्रसीद परमेश्वरि ॥ ६ ॥  
कामेश्वरि जगन्मातः सच्चिदानन्दविग्रहे ।  
गृहाणार्चामिमां प्रीत्या प्रसीद परमेश्वरि ॥ ७ ॥  
गुह्यातिगुह्यगोप्त्री त्वं गृहाणास्मत्कृतं जपम् ।  
सिद्धिर्भवतु मे देवि त्वप्रसादात्सुरेश्वरि ॥ ८ ॥  
॥ इति देवीक्षमापणस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

——  
*devIkShamApaNastotram*

pdf was typeset on October 15, 2020

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

